







जो न कभी हर्षित होता है, न द्वेष करता है,
न शोक करता है, न कामना करता है
तथा जो शुभ और अशुभ सम्मुख कभी का त्यागी है-
यह भक्तियुक्त पुरुष मुझको प्रिय है ।





1002



1003



1004